

बिहार में बाढ़

चर्चा में क्यों?

हाल ही में बिहार राज्य, बाढ़ से बुरी तरह प्रभावित हुआ है, जिसमें 12 ज़िले जलमग्न हो गए हैं और 12 लाख से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं।

प्रमुख बिंदु

■ बाढ़ की स्थिति:

- नेपाल, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और झारखंड में भारी वर्षा के कारण उत्तर और दक्षिण बिहार की नदियों का जलस्तर बढ़ गया है।
- इस स्थिति के कारण बिहार में, विशेषकर गंगा जैसी नदियों के किनारे, व्यापक बाढ़ आ गई है।

■ प्रभावित क्षेत्र:

- इससे 12 ज़िले प्रभावित हुए हैं, जिनमें बक्सर, भोजपुर, सारण, वैशाली, पटना, समस्तीपुर, बेगूसराय, लखीसराय, मुंगेर, खगड़िया, भागलपुर और कटिहार शामिल हैं।
- नचिले क्षेत्रों में रहने वाले कुल 12.67 लाख लोग बढ़ते जलस्तर से प्रभावित हुए हैं।
- इससे प्रभावित ट्रेनों में पटना-दुमका एक्सप्रेस, सरायगढ़ देवघर स्पेशल, जमालपुर-कटिल मेमू स्पेशल और भागलपुर-दानापुर इंटरसर्टि एक्सप्रेस शामिल हैं।
- बिहार आपदा प्रबंधन विभाग (DMD) ने बताया कि इस बाढ़ से 361 पंचायतें प्रभावित हुई हैं।

बाढ़ क्या है?

■ परिचय:

- बाढ़ प्राकृतिक आपदा का सबसे प्रमुख प्रकार है और यह तब होता है जब पानी का अतिप्रवाह भूमिको जलमग्न कर देता है जो आमतौर पर सूखी होती है।
- वर्ष 1998-2017 के बीच, बाढ़ के कारण दुनिया भर में 2 बिलियन लोग प्रभावित हुए हैं।

■ कारण:

- ये अक्सर भारी वर्षा, तेज़ी से बर्फ पघिलने या तटीय क्षेत्रों में उष्णकटिबंधीय चक्रवात या सुनामी से उत्पन्न तूफानी लहरों के कारण होते हैं।

■ बाढ़ के प्रकार:

- आकस्मिक बाढ़: ये तीव्र और अत्यधिक वर्षा के कारण होते हैं, जिससे जल स्तर तेज़ी से बढ़ता है तथा नदियाँ, नाले, चैनल या सड़कें जलमग्न हो जाती हैं।
- नदी द्वारा बाढ़: ऐसा तब होता है जब लगातार बारिश या बर्फ पघिलने से नदी का जलस्तर अपनी क्षमता से अधिक हो जाता है।
- तटीय बाढ़: ये उष्णकटिबंधीय चक्रवातों और सुनामी से संबंधित तूफानी लहरों के कारण होते हैं।

